No. of Printed Pages : 7 **NES-104**

CERTIFICATE IN GUIDANCE (CIG)

Term-End Examination

June, 2022

NES-104 : GUIDING SOCIO-EMOTIONAL DEVELOPMENT OF CHILDREN

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **1000** words :

   Explain emotional disorders during childhood. Discuss the causes that are responsible for emotional disorders during childhood.

   OR

   Differentiate between anxiety and fear, with examples. Describe various forms of therapy that can be used to treat fear and anxieties.

2. Answer the following question in about **1000** words :

   What are the social and emotional needs of disabled children ? Discuss the attitudes of parents towards them. Suggest how attitudes of parents can be changed towards them.

   OR

   What is play therapy ? Explain the basic principles that need to be practiced during play therapy.

3. Answer any **four** of the following questions in about **250** words each :

   (a) State the skills that children need to acquire for self-reliance in various spheres during late childhood.

   (b) What are phobic reactions ? Explain how behaviour modification can be used to help children overcome phobic reactions.

   (c) Differentiate between assertion and defiance with examples.

(d) What are language disorders in children ? Suggest remedies to overcome such disorders.

(e) Describe typical problems of a girl child.

(f) Discuss, with examples, how music and dance can be used to help the disturbed children.

NES-104

मार्गदर्शन में प्रमाण-पत्र (सीआईजी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एन.ई.एस.-104 : बच्चों के सामाजिक-संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :

   बाल्यावस्था के दौरान संवेगात्मक विकारों की व्याख्या कीजिए। बाल्यावस्था के दौरान संवेगात्मक विकारों के लिए उत्तरदायी कारणों की परिचर्चा कीजिए।

अथवा

चिन्ता और भय में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट कीजिए। भय और चिन्ताओं के निदान के लिए प्रयोग की जा सकने वाली चिकित्सा के विविध रूपों का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :

अशक्त बच्चों की सामाजिक और संवेगात्मक आवश्यकताएँ कौन-सी हैं ? उनके प्रति अभिभावकों की अभिवृत्ति की परिचर्चा कीजिए। उनके प्रति अभिभावकों की अभिवृत्ति को किस प्रकार परिवर्तित किया जा सकता है ? सुझाव दीजिए।

अथवा

खेल-चिकित्सा (प्ले थेरेपी) क्या है ? खेल-चिकित्सा के दौरान व्यवहार में लाये जाने वाले आवश्यक मौलिक सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए :

(क) उत्तर बाल्यावस्था के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में स्वावलम्बन के लिए बच्चों द्वारा उपार्जन के लिए आवश्यक कौशल बताइए।

(ख) दुर्भीतिजन्य-प्रतिक्रियायें (फोबिक-रिऐक्शन्स) क्या हैं ? दुर्भीतिजन्य-प्रतिक्रियाओं को दूर करने के लिए बच्चों के लिए सहायक व्यवहार-आशोधन का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है ? व्याख्या कीजिए।

(ग) स्वाग्रह (असर्शन) और अवज्ञा (डेफिएन्स) में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(घ) बच्चों में भाषा-विकार क्या है ? ऐसे विकारों को दूर करने के लिए उपचार सुझाइए।

(ङ) एक बच्ची की प्रारूपिक समस्याओं (टिपिकल प्रॉबलम्स) का वर्णन कीजिए।

(च) अशान्त बच्चों की सहायता के लिए संगीत और नृत्य का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है ? सोदाहरण परिचर्चा कीजिए।